अमर उजाला

बरेली
सोमवार, 8 जनवरी 2024
पौष कृष्ण-द्वादशी
विक्रम संवत-2080

PAGE NO :07 MIDDLE

मैं इस उम्मीद पे डूबा कि तू बचा लेगा...

रिद्धिमा में आयोजित कार्यक्रम में गजल पेश करते फनकार। अमर उजाला

कार्यक्रम में मौजूद प्रो. वसीम बरेलवी के साथ अन्य अतिथि। अमर उजाला

संवाद न्यूज एजेंसी

बरेली। रिद्धिमा में रविवार को 'एक शाम प्रोफेसर वसीम बरेलवी के साथ' कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इस मौके पर दर्शकों के साथ नामचीन शायर ने अपनी ही गजलों को सुनने और गुनगुनाने का लुत्फ उठाया।

प्रो. बरेलवी ने मंच के साथ अपने 62 वर्ष के सफर का जिक्र किया। कहा कि छह फरवरी 1962 का दिन उन्हें आज भी याद है। जब बरेली में उनकी गजलों को गाने के लिए मुंबई से महेंद्र कपूर विशेष रूप से आए थे। तब से आज तक तमाम महफिलें हो चुकी हैं।

अपने लोगों के बीच होने से आज की महफिल और भी खास है। कार्यक्रम का आगाज अतिथि गायक डॉ. रीता शर्मा ने गजल शब-ए-मयखाना 'ये जो दिल पे'को अपनी आवाज देकर किया। डॉ. अनुज कुमार ने गजल 'मैं इस उम्मीद पे डूबा कि तू बचा लेगा' को स्वर दिया।

गायन की विद्यार्थी डॉ. रजनी अग्रवाल को गायन गुरु स्नेह आशीष दुबे का साथ मिला। दोनों ने 'जरा सा कतरा कहीं आज अगर उमड़ता है' को अपने अंदाज में पेश किया। गायन गुरु प्रियंका ग्वाल और स्नेह आशीष ने क्रमवार 'हजारों कांटों से दामन' और 'जिंदगी तुझ पे इल्जाम' को अपनी आवाज दी। दर्शकों ने तालियां बजाकर उत्साह बढ़ाया। इस मौके पर एसआरएमएस ट्रस्ट के चेयरमैन देव मूर्ति, आशा मूर्ति, डॉ. अशोक अग्रवाल, इंद्रदेव त्रिवेदी, डॉ. अनुराग मोहन, डॉ. आलोक खरे उपस्थित रहे।